तृतीय पुरस्कार

21वीं सदी में मेरे सपनों का भारत

प्रस्तावना- हमारा देश भारत वर्ष है। हम सभी इस देश की सन्तान हैं। इस देश की महानता में ही हम सभी का गौरव है। जब हमारा देश महान होगा तो हम सभी गौरवान्वित होंगे। प्रत्येक व्यक्ति की हार्दिक इच्छा होती है कि वह अपने देश को महान बना सके या बनता देख सके।

प्राचीन काल में हमारा देश बहुत ही धनधान्य से सम्पन्न था। हमारे देश की धन धान्य की सम्पन्नता को देखते हुए लोग इसे सोने की चिड़िया कहा करते थे। पर हमारे देश की सम्पन्नता पर विदशियों की नजर पड़ी तथा उन्होंने हमारे देश पर आक्रमण किया। अपनी आपसी लड़ाई के कारण हमारा देश पराधीन हो गया तथा कई सौ वर्षों तक मुगलों, अंग्रेजों आदि ने हमारे देश पर शासन किया तथा हमारे देश की सम्पन्नता का पूर्ण लाभ उठाया। बहूत से स्वतंत्रा सेनानियों के बलिदानों के बाद हम लोग 15 अगस्त 1947 को पूर्ण स्वतंत्र हुए।

हमारा देश विकास की ओर - स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हमारा प्रथम उद्देश्य देश को विकास की ओर ले जाना था क्योकि जिस समय हमारा देश स्वतंत्र हुआ उस समय हमारे देश में बहुत सी समस्याएं उत्पन्न हो चुकी थी। बेरोजगारी, धन, शिक्षा आदि सभी क्षेत्रों में हम विश्व के अन्य देशों से काफी पिछड़ चुके थे। ऐसे समय में हमारे देश के तत्कालीन नेताओं के प्रयास से देश की काफी उन्नति हुई। इन नेताओं में पंडित जवाहर लाल नेहरु, सरदार बल्लभ भाई पटेल, श्रीमती इन्दिरा गांधी आदि के नाम प्रमुख हैं। इन सभी नेताओं के प्रयासों से आज हमारा देश सम्पन्न देशों की कतार में खड़ा हो गया है। आज हमारे देश में आधुनिक कारखाने, कृषि सम्बन्धी आधुनिक सुविधाएं, टेलीवीजन, टेलीफोन, कम्प्यूटर आदि सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। जहां हम लोग प्राचीन काल में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के लिए बैलगाड़ी या धीमी गाड़ी के वाहनो का उपयोग करते थे आज हमारे पास वायुयान, तीव्रगति की गाड़ियां आदि उपलब्ध हैं। आज हम लोग अंतरिक्ष तक जा पहुंचे हैं।

इस प्रकार हम अपने देश को आज काफी उन्नत पाते हैं। हम धीरे-धीरे 21वीं सदी में प्रवेश कर रहे हैं हमें अपने कार्यों में यहीं पर सन्तुष्ट नहीं होना है, बल्कि हमें अपने उन्नति के कार्यों को अत्याधिक तीव्र गति में आगे बढ़ाना है तथा 21वीं सदी में प्रवेश करना है। 21वीं सदी के भारत की कल्पना निम्न प्रकार की जा सकती है।

1. **कृषि के क्षेत्र में** - 21वीं सदी में कृषि के क्षेत्र में हम लोग पूर्णतया आत्मनिर्भर हो जाएंगें। हमारे पास आधुनिकतम सिंचाई के साधन, बीज, कृषि के उपकरण आदि होगें। हमारे देश की धरती सोना उगलेगी तथा हमारे देश में अनाज की बहुलता होगी। हमारे देश का कोई भी इन्सान व बच्चा भूखा नहीं रहेगा! सभी को पूर्ण भोजन मिलेगा। साथ-साथ हम अन्य देशों को भी अनाज निर्यात कर सकेंगे।

2. **शिक्षा के क्षेत्र में** - हमारे देश की शत प्रतिशत जनसंख्या 21वीं सदी में पूर्ण साक्षर हो जाएगी। देश में कोई भी व्यक्ति अशिक्षित नहीं रहेगा। प्रत्येक गांव में कम से कम एक इन्टर कालेज होगा तथा प्रत्येक चार पाँच गांव के बीच एक डिग्री

पुष्पेन्द्र कुमार अग्रवाल, "वरिष्ठ शोध सहायक"

कालेज। साथ ही मेडिकल, इंजिनियरिंग, तकनीकी शिक्षा के कालेज भी प्रचुर मात्रा में खोले जाएंगे जिससे प्रत्येक व्यक्ति तकनीकी शिक्षा या उच्च शिक्षा प्राप्त कर सके। किसी भी व्यक्ति को शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई उतपन्न नहीं होगी।

3. विज्ञान के क्षेत्र में - विज्ञान के क्षेत्र में 21वीं सदी में हमारा देश चहुंमुखी विकास करे यही हमारी कल्पना है। टेलीवीजन का पूर्ण विस्तार होगा। विदेशों की भांति ही हमारे यहां भी तीस चालीस चैनलों पर मनचाहे कार्यक्रम उपलब्ध होगे। टेलीफोन के द्वारा हम शीघ्रातिशीघ्र दूर के व्यक्तियों से भी कुछ सैकेंडों में बात कर सकेंगे। आज बहुत से स्थानों पर STD सुविधा नही है। हमें विश्वास है कि 21वी सदी में प्रत्येक गांव तक STD व टेलीफोन की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी तथा हम टेलीफोन पर STD के द्वारा अपने सम्बन्धियों व मित्रों से बात कर सकेगें। साथ ही यह भी विश्वास है कि टेलीफोन पर बात करने वाले का फोटो दूसरे व्यक्ति को उपलब्ध होगा। जिससे ऐसा महसूस होगा कि हम आमने सामने बैठे बात कर रहे हैं।

21वीं सदी का युग पूर्णतया कम्प्यूटर का युग होगा, रेल रिजर्वेशन, बैंक, कल कारखाने आदि प्रत्येक स्थान पर कम्प्यूटर के द्वारा कठिन से कठिन कार्य शीघ्रातिशीघ्र किये जायेगे।

21वीं सदी में चिकित्सा के क्षेत्र में हमारा देश उन्नति करेगा। हमारे देश में सभी अस्पताल व चिकित्सालय आधुनिकतम उपकरणों से लैस होंगे। साथ ही कैंसर व एड्स जैसी जटिलतम बीमारियों का भी निदान पूर्णतया सम्भव हो सकेगा।

21वीं सदी मे रक्षा सम्बन्धी क्षेत्रों में हमारा देश एक शक्तिशाली राष्ट्र बन सकेगा। परमाणु बम जैसे हथियार भी हमारे पास बहुतायत में होंगे। विश्व का कोई भी देश, चाहे वह अमेरिका हो या रुस, हम से टकराने की हिम्मत नहीं करेगा।

21वीं सदी में अंतरिक्ष में हमारा पूर्णतया एकाधिकार स्थापित हो जाएगा। विभिन्न कक्षाओं में हम अपने इन्स्ट्रूमेंट स्थापित कर सकेंगे और हम पूर्णतया आत्मनिर्भर होंगे।

21वी सदी का युग तीव्रतम वायुयान, रेलगाड़ियों का युग होगा। विदेशों की भांति ही हमारे पास भूमिगत तीव्रतम रेलगाड़ियां, वायुयान आदि उपलब्ध होगे।

4. रोजगार के क्षेत्र में - 21वीं सदी में हमारी कल्पना है कि हमारे देश के प्रत्येक नवयुवक को रोजगार मिलेगा तथा बेरोजगारी की समस्या समाप्त हो जाएगी। किसी भी घर में बेरोजगारी के कारण भूखे नहीं रहेंगे। देश में कल कारखानों का विकास होगा।

5. परिवार नियोजन के क्षेत्र में - इस क्षेत्र में देश की जनसंख्या में हो रही वृद्धि की दर कम हो जाएगी। प्रत्येक परिवार में सिर्फ एक बच्चा होगा जिसे पढ़ाकर उच्च शिखर पर पहुचाना माता- पिता का प्रमुरव ध्येय होगा।

जैसा कि कहा जाता है कि सपने मनुष्य सोते हुए देखता है। सोते हुए मनुष्य जो स्वप्न देखता है वह वास्तव में

स्वप्न ही होता है पर जब मनुष्य जागता है तथा कठोर धरातल पर कदम रखता है तब उसे पता चलता है कि वास्तव में वह तो स्वप्न देख रहा होता है तथा यथार्थ में वह अपने बिस्तर पर होता है स्वप्न में वह अपने आप को कहीं का राजा या महान व्यक्ति भी देख सकता है क्योंकि स्वप्न पर मनुष्य का कोई भी नियन्त्रण नही होता है। अतः स्वप्न और यथार्थ में बहुत ही फर्क होता है। स्वप्न - स्वप्न ही होता है, सत्य नहीं।

इसी प्रकार 21 वीं सदी में भारत किस प्रकार का होगा , इस सम्बन्ध में उपरोक्त लिखित भी एक स्वप्न के समान ही है। फर्क सिर्फ इतना है कि मनुष्य सोते समय स्वप्न देखता है तथा यह जागती आंखों का देखा हुआ स्वप्न है जिसके पूर्ण होने के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है। वैसे भी हमारे देश के वर्तमान राजनीतिज्ञ जो कि हमारे देश के विकास के लिए जिम्मेदार हैं उनका मुख्य उद्देश्य सिर्फ अपनी कुर्सी बचाना रह गया है। आजकल की राजनीति मात्र वोटों की राजनीति रह गई है। देश चाहे पतन की ओर अग्रसर हो या विकास की ओर इससे उन्हें कोई मतलब नहीं है। उनके बैंक अकाउन्ट बढ़ते रहने चाहिए। ऐसी स्थिति में हमारे द्वारा देखा गया स्वप्न पूर्ण हो सकता है, इसमें संदेह है। फिर भी हमे अपने देश के विकास के लिए प्रयत्न करना चाहिए। देश के प्रत्येक बच्चे, बूढ़े व जवान को देश के विकास के लिए अपने आपको समर्पित कर देना चाहिए। पश्चिम के देशों में प्रत्येक व्यक्ति अपने आप पर निर्भर है। हमें भी अपने आप को व बच्चों को आत्मनिर्भर बनाना होगा। तभी देश का विकास संभव है।

उपसंहार - उपरोक्त निबन्ध में मैंने 21वीं सदी में भारत की स्थिति के बारे में कल्पना की है। मुझे विश्वास है कि यदि देश का प्रत्येक नागरिक राजनीतिज्ञों से बचा रहा तथा मिलकर देश की प्रगति के लिए अपना योगदान दिया तो देखा हुआ स्वप्न अवश्य पूर्ण हो सकेगा और हम भारत को अपने स्वप्न के अनुरुप प्रगति करता देख सकेंगे। यदि देश उन्नति करेगा तो हम सभी का गौरव बढ़ेगा क्योंकि देश के गौरव में ही हम सभी का गौरव होगा। अतः प्रतिज्ञा करे कि देश की उन्नति में अपना पूर्ण सहयोग देगे।

जय हिन्द। जय भारत।।